नेपा लिमिटेड | साइबर स्वच्छता और सुरक्षा पर संवादात्मक कार्यशाला

कार्यशाला में बताए साइबर आतंकवाद और इसके प्रभाव

नेपानगर. केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड में क्षमता निर्माण योजना के तहत विभिन्न रचनात्मक और सूचनापरक गतिविधियों के माध्यम से संस्थान का सतर्कता प्रकोष्ठ कर्मचारियों और अधिकारियों में जागरूकता निर्माण कर रहा है।

बुधवार को प्रशासनिक भवन स्थित केंद्रीय सभागार में साइबर स्वच्छता और सुरक्षा विषय पर संस्थान के मुख्य सतर्कता अधिकारी विनीत कुमार भारतीय राजस्व सेवा के नेतृत्व में एक दिवसीय संवादात्मक कार्यशाला आयोजित की गई। उन्होंने कहा शासकीय तंत्र होने के नाते नेपा लिमिटेड साइबर सुरक्षा और डेटा संरक्षण के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध हैं। साइबर स्वच्छता और सुरक्षा हमारे लिए और भी अधिक महत्वपूर्ण हैं। साइबर हाइजीन का लक्ष्य संवेदनशील डेटा को सुरक्षित रखना और डिजिटल हमले की स्थिति में संगठन की रिकवरी की क्षमता को मजबूत करना है। यह अवधारणा व्यक्तिगत स्वच्छता के समान ही काम करती है। व्यक्ति नियमित रूप से अनुशंसित क्रियाकलाप करके अपना स्वास्थ्य बनाए रखते हैं, जैसे कि कैविटी को कम करने के लिए फ्लॉसिंग और संक्रमण से बचने के लिए हाथ धोना। उसी तरह संगठन एहतियाती साइबर हाइजीन उपायों का पालन करके अपना स्वास्थ्य बनाए रख सकते हैं, जिससे डेटा उल्लंघन और अन्य डिजिटल जोखिमों को रोका जा सकता है। कार्यशाला में आज के आधुनिक डिजिटल युग और महत्वपूर्ण पहलुओं जैसे साइबर आतंकवाद और इसके प्रभाव, ट्रोजन, मैलवेयर, एडवेयर, फ़िशिंग, डेनियल अटैक और बॉटनेट्स जैसे साइबर खतरे, नेटवर्क सुरक्षा, एंडपॉइंट सुरक्षा, क्लाउड सुरक्षा, एप्लीकेशन सुरक्षा और मोबाइल सुरक्षाए साइबर सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रशिक्षण और जागरूकता, साइबर हमलों से बचाव के लिए रणनीतियां और तकनीक डेटा सुरक्षा और गोपनीयता के महत्व पर भी गहन चर्चा की गई। इस कार्यशाला में कुल 35 कर्मचारियों और अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

26/09/2024 | burahanpur | Page : 4
Source : https://epaper.patrika.com/

एक दिवसीय संवादात्मक कार्यशाला आयोजित

नगर प्रतिनिधि ▸▸ नेपानगर

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड में क्षमता निर्माण योजना के अंतर्गत विभिन्न रचनात्मक और सूचनापरक गतिविधियों के माध्यम से संस्थान का सतर्कता प्रकोष्ठ कर्मचारियों और अधिकारियों में जागरूकता निर्माण कर रहा है। इसी तारतम्य में बुधवार को नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन स्थित केंद्रीय सभागार में साइबर स्वच्छता और सुरक्षा विषय पर संस्थान के मुख्य सतर्कता अधिकारी विनीत कुमार, भारतीय राजस्व सेवा के नेतृत्व में एक दिवसीय संवादात्मक कार्यशाला आयोजित की गई।

मुख्य सतर्कता अधिकारी विनीत कुमार ने कहा, शासकीय तंत्र होने के नाते नेपा लिमिटेड साइबर सुरक्षा और डेटा संरक्षण के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध हैं। अतः साइबर स्वच्छता और सुरक्षा हमारे लिए और भी अधिक महत्वपूर्ण हैं। साइबर हाइजीन का लक्ष्य संवेदनशील डेटा को सुरक्षित रखना और डिजिटल हमले की स्थिति में संगठन की रिकवरी की क्षमता को मजबूत करना है। यह अवधारणा व्यक्तिगत स्वच्छता के समान ही काम करती है।

व्यक्ति नियमित रूप से अनुशंसित क्रियाकलाप करके अपना स्वास्थ्य बनाए रखते हैं, जैसे कि कैविटी को कम करने के लिए फ्लॉसिंग और संक्रमण से बचने के लिए हाथ धोना। उसी तरह, संगठन एहतियाती साइबर हाइजीन उपायों का पालन करके अपना स्वास्थ्य बनाए रख सकते हैं, जिससे डेटा उल्लंघन और अन्य डिजिटल जोखिमों को रोका जा सकता है।

इस कार्यशाला में आज के आधुनिक डिजिटल युग और महत्वपूर्ण पहलुओं जैसे जैसे साइबर आतंकवाद और इसके प्रभाव, ट्रोजन, मैलवेयर, एडवेयर, फ़िशिंग, डेनियल अटैक, और बॉटनेट्स जैसे साइबर खतरे, नेटवर्क सुरक्षा, एंडपॉइंट सुरक्षा, क्लाउड सुरक्षा, एप्लीकेशन सुरक्षा, और मोबाइल सुरक्षा, साइबर सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रशिक्षण और जागरूकता, साइबर हमलों से बचाव के लिए रणनीतियाँ और तकनीकें, डेटा सुरक्षा और गोपनीयता के महत्व पर भी गहन चर्चा की गई। इस कार्यशाला में कुल 35 कर्मचारियों और अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

दैनिक भास्कर

बुरहानपुर 26-09-2024

जानकारी • नेपा लिमिटेड में 35 अफसर, कर्मचारियों ने लिया प्रशिक्षण

साइबर स्वच्छता और सुरक्षा पर हुई कार्यशाला

भास्कर संवाददाता | नेपानगर

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड में क्षमता निर्माण योजना के तहत विभिन्न रचनात्मक और सूचनापरक गतिविधियों के माध्यम से संस्थान का सतर्कता प्रकोष्ठ कर्मचारियों और अधिकारियों में जागरूकता निर्माण कर रहा है। बुधवार को प्रशासनिक भवन स्थित केंद्रीय सभागार में साइबर स्वच्छता और सुरक्षा विषय पर संस्थान के मुख्य सतर्कता अधिकारी विनीत कुमार भारतीय राजस्व सेवा के नेतृत्व में एक दिवसीय संवादात्मक कार्यशाला हुई। उन्होंने कहा शासकीय तंत्र होने के नाते नेपा लिमिटेड साइबर सुरक्षा और डेटा संरक्षण के क्षेत्र में नवाचार और

साइबर स्वच्छता पर कार्यशाला में मौजूद अफसर, कर्मचारी।

उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध हैं। साइबर स्वच्छता और सुरक्षा हमारे लिए और भी अधिक महत्वपूर्ण हैं। साइबर हाइजीन का लक्ष्य संवेदनशील डेटा को सुरक्षित रखना और डिजिटल हमले की स्थिति में संगठन की रिकवरी की क्षमता को मजबूत करना है। यह अवधारणा व्यक्तिगत स्वच्छता के समान ही काम करती है। व्यक्ति नियमित रूप से अनुशंसित क्रियाकलाप करके अपना स्वास्थ्य बनाए रखते हैं, जैसे कि कैविटी को कम करने के लिए फ्लॉसिंग और संक्रमण से बचने के लिए हाथ धोना। उसी तरह संगठन एहतियाती साइबर हाइजीन उपायों का पालन करके अपना स्वास्थ्य बनाए रख सकते हैं, जिससे डेटा उल्लंघन और अन्य डिजिटल जोखिमों को रोका जा सकता है। कार्यशाला में आज के आधुनिक डिजिटल युग और महत्वपूर्ण पहलुओं जैसे जैसे साइबर आतंकवाद और इसके प्रभाव, ट्रोजन, मैलवेयर, एडवेयर, फिशिंग, डेनियल अटैक और बॉटनेट्स जैसे साइबर खतरे, नेटवर्क सुरक्षा, एंडपॉइंट सुरक्षा, क्लाउड सुरक्षा, एप्लीकेशन सुरक्षा और मोबाइल सुरक्षा, साइबर सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रशिक्षण और जागरूकता, साइबर हमलों से बचाव के लिए रणनीतियां और तकनीकें, डेटा सुरक्षा और गोपनीयता के महत्व पर भी गहन चर्चा की गई। इस कार्यशाला में कुल 35 कर्मचारियों और अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

नेपा लिमिटेड में साइबर स्वच्छता और सुरक्षा पर संवादात्मक कार्यशाला आयोजित

जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुरहानपुर। नेपानगर में केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड में क्षमता निर्माण योजना के अंतर्गत

विभिन्न रचनात्मक और सूचनापरक गतिविधियों के माध्यम से संस्थान का सतर्कता प्रकोष्ठ कर्मचारियों और अधिकारियों में जागरूकता निर्माण कर रहा है।इसी तारतम्य में बुधवार को नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन स्थित केंद्रीय सभागार में साइबर स्वच्छता और सुरक्षा विषय पर संस्थान के मुख्य सतर्कता अधिकारी विनीत कुमार, भारतीय राजस्व सेवा के नेतृत्व में एक दिवसीय संवादात्मक कार्यशाला आयोजित की गई।मुख्य सतर्कता अधिकारी विनीत कुमार ने कहा, शासकीय तंत्र होने के नाते नेपा लिमिटेड साइबर सुरक्षा और डेटा संरक्षण के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध हैं। अतः साइबर स्वच्छता और सुरक्षा हमारे लिए और भी अधिक महत्वपूर्ण हैं।साइबर हाइजीन का लक्ष्य संवेदनशील डेटा को सुरक्षित रखना और डिजिटल हमले की स्थिति में संगठन की रिकवरी की क्षमता को मजबूत करना है। यह अवधारणा व्यक्तिगत स्वच्छता के समान ही काम करती है।व्यक्ति नियमित रूप से अनुशंसित क्रियाकलाप करके अपना स्वास्थ्य बनाए रखते हैं।जैसे कि कैविटी को कम करने के लिए फ्लॉसिंग और संक्रमण से बचने के लिए हाथ धोना।उसी तरह,संगठन एहतियाती साइबर हाइजीन उपायों का पालन करके अपना स्वास्थ्य बनाए रख सकते हैं।जिससे डेटा उल्लंघन और अन्य डिजिटल जोखिमों को रोका जा सकता है। इस कार्यशाला में आज के आधुनिक डिजिटल युग और महत्वपूर्ण पहलुओं जैसे जैसे साइबर आतंकवाद और इसके प्रभाव, ट्रोजन, मैलवेयर,एडवेयर, फ़िशिंग,डेनियल अटैक,और बॉटनेट्स जैसे साइबर खतरे, नेटवर्क सुरक्षा, एंडपॉइंट सुरक्षा, क्लाउड सुरक्षा, एप्लीकेशन सुरक्षा, और मोबाइल सुरक्षा, साइबर सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रशिक्षण और जागरूकता, साइबर हमलों से बचाव के लिए रणनीतियाँ और तकनीकें,डेटा सुरक्षा और गोपनीयता के महत्व पर भी गहन चर्चा की गई।इस कार्यशाला में कुल 35 कर्मचारियों और अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

अखबारी कागज कारखाना नेपा लिमिटेड में साइबर स्वच्छता और सुरक्षा पर कार्यशाला आयोजित

नेपानगर ■ ध्रुव वाणी।

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड में क्षमता निर्माण योजना के अंतर्गत विभिन्न रचनात्मक और सूचनापरक गतिविधियों के माध्यम से संस्थान का सतर्कता प्रकोष्ठ कर्मचारियों और अधिकारियों में जागरूकता निर्माण कर रहा है। इसी तारतम्य में बुधवार को नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन स्थित केंद्रीय सभागार में साइबर स्वच्छता और सुरक्षा विषय पर संस्थान के मुख्य सतर्कता अधिकारी विनीत कुमार, भारतीय राजस्व सेवा के नेतृत्व में एक दिवसीय संवादात्मक कार्यशाला आयोजित की गई।

मुख्य सतर्कता अधिकारी विनीत कुमार ने कहा, शासकीय तंत्र होने के नाते नेपा लिमिटेड साइबर सुरक्षा और डेटा संरक्षण के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध हैं। अत- साइबर स्वच्छता और सुरक्षा हमारे लिए और भी अधिक महत्वपूर्ण हैं। साइबर हाइजीन का लक्ष्य संवेदनशील डेटा को सुरक्षित रखना और डिजिटल हमले की स्थिति में संगठन की रिकवरी की क्षमता को मजबूत करना है।

यह अवधारणा व्यक्तिगत स्वच्छता के समान ही काम करती है। व्यक्ति नियमित रूप से अनुशंसित क्रियाकलाप करके अपना स्वास्थ्य बनाए रखते हैं, जैसे कि कैविटी को कम करने के लिए फ्लॉसिंग और संक्रमण से बचने के लिए हाथ धोना। उसी तरह, संगठन एहतियाती साइबर हाइजीन उपायों का पालन करके अपना स्वास्थ्य बनाए रख सकते हैं, जिससे डेटा उल्लंघन और अन्य डिजिटल जोखिमों को रोका जा सकता है।इस कार्यशाला में आज के आधुनिक डिजिटल युग और महत्वपूर्ण पहलुओं जैसे जैसे साइबर आतंकवाद और इसके प्रभाव, ट्रोजन, मैलवेयर, एडवेयर, फ़िशिंग, डेनियल अटैक, और बॉटनेट्स जैसे साइबर खतरे, नेटवर्क सुरक्षा, एंडपॉइंट सुरक्षा, क्लाउड सुरक्षा, एप्लीकेशन सुरक्षा, और मोबाइल सुरक्षा, साइबर सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रशिक्षण और जागरूकता, साइबर हमलों से बचाव के लिए रणनीतियाँ और तकनीकें, डेटा सुरक्षा और गोपनीयता के महत्व पर भी गहन चर्चा की गई। इस कार्यशाला में कुल 35 कर्मचारियों और अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

नेपा लिमिटेड में साइबर स्वच्छता और सुरक्षा पर संवादात्मक कार्यशाला आयोजित

रिपोर्ट - नरेश चौकसे

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड में क्षमता निर्माण योजना के अंतर्गत विभिन्न रचनात्मक और सूचनापरक गतिविधियों के माध्यम से संस्थान का सतर्कता प्रकोष्ठ कर्मचारियों और अधिकारियों में जागरूकता निर्माण कर रहा है। इसी तारतम्य में बुधवार को नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन स्थित केंद्रीय सभागार में साइबर स्वच्छता और सुरक्षा विषय पर संस्थान के मुख्य सतर्कता अधिकारी विनीत कुमार, भारतीय राजस्व सेवा के नेतृत्व में एक दिवसीय संवादात्मक कार्यशाला आयोजित की गई।

मुख्य सतर्कता अधिकारी विनीत कुमार ने कहा, शासकीय तंत्र होने के नाते नेपा लिमिटेड साइबर सुरक्षा और डेटा संरक्षण के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध हैं। अत- साइबर स्वच्छता और सुरक्षा हमारे लिए और भी अधिक महत्वपूर्ण हैं। साइबर हाइजीन का लक्ष्य संवेदनशील डेटा को सुरक्षित रखना और डिजिटल हमले की स्थिति में संगठन की रिकवरी की क्षमता को मजबूत करना है। यह अवधारणा व्यक्तिगत स्वच्छता के समान ही काम करती है। व्यक्ति नियमित रूप से अनुशंसित क्रियाकलाप करके अपना स्वास्थ्य बनाए रखते हैं, जैसे कि कैविटी को कम करने के लिए फ्लॉसिंग और संक्रमण से बचने के लिए हाथ धोना। उसी तरह, संगठन एहतियाती साइबर हाइजीन उपायों का पालन करके अपना स्वास्थ्य बनाए रख सकते हैं, जिससे डेटा उल्लंघन और अन्य डिजिटल जोखिमों को रोका जा सकता है।

इस कार्यशाला में आज के आधुनिक डिजिटल युग और महत्वपूर्ण पहलुओं जैसे जैसे साइबर आतंकवाद और इसके प्रभाव, ट्रोजन, मैलवेयर, एडवेयर, फ़िशिंग, डेनियल अटैक, और बॉटनेट्स जैसे साइबर खतरे, नेटवर्क सुरक्षा, एंडपॉइंट सुरक्षा, क्लाउड सुरक्षा, एप्लीकेशन सुरक्षा, और मोबाइल सुरक्षा, साइबर सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रशिक्षण और जागरूकता, साइबर हमलों से बचाव के लिए रणनीतियाँ और तकनीकें, डेटा सुरक्षा और गोपनीयता के महत्व पर भी गहन चर्चा की गई। इस कार्यशाला में कुल 35 कर्मचारियों और अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।